www.esamaad.com

जसमाद first epaper in maithili इसमाद

पटना, 26 दिसंबर, 2010 • अंक-59 • वर्ष-3

# रघुवंश बाबू भ सकैत छथि राजदक कार्यकारी अध्यक्ष

समदिया

*लालू चाहैत छथि जे ओ अध्यक्ष बनल रहैथि आ ककरो कार्यकारी अध्यक्ष बना एहि मामला कए शांत करि देल जाए। दरअसल लालू एक तीर स कईटा निशाना लगेबा मे लागल छथि। एहि क्रम मे पहिने ओ मुस्लिम नेता अब्दुल बारी सिद्दिकी कए विपक्ष क नेता बनेलाह आओर हुनकर जगह पर बुजुर्ग नेता रामचंद्र पूर्वे कए प्रदेश अध्यक्ष बनेलाह। पिछड़ा आ मुसलमान क राजनीति कए साधबाक बाद आब ओ पार्टीक एकटा महत्वपूर्ण पद उच्च जाति कए देबाक फैसला केलथि अछि।*

**नई दिल्ली ।** राजदक अंतःपुर स भेट रहल संकेत अगर सच भेल त राजद उपाध्यक्ष आ वैशाली स सांसद रघुवंश प्रसाद सिंह पार्टी क नव कार्यकारी अध्यक्ष हेताह। जानकारक कहब अछि जे विधानसभा चुनाव मे ऐतिहासिक हार क बाद लालू प्रसाद आम राय स काज करबा लेल तैयार छथि। संगहि वो पार्टी मे अपन सत्ता बचेबा लेल अधिकारक विकेद्रीकरण करबाक सोचि रहल छथि। दरअसल लालू एक तीर स कईटा निशाना लगेबा मे लागल छथि। एहि क्रम मे पहिने ओ मुस्लिम नेता अब्दुल बारी सिद्धिकी कए विपक्ष क नेता बनेलाह आओर हुनकर जगह पर बुजुर्ग नेता रामचंद्र पूर्वे कए प्रदेश अध्यक्ष बनेलाह। पिछड़ा आ मुसलमान क राजनीति कए साधबाक बाद आब ओ पार्टीक एकटा महत्वपूर्ण पद उच्च जाति कए देबाक फैसला केलथि अछि।
चुनावक बाद लालू क पार्टी राष्ट्रीय जनता दल क कईटा नेता चाहैत छथि जे ओ राष्ट्रीय अध्यक्ष क पद स इस्तीफा दथि। पार्टी मे लालू क प्रति निष्ठावान नेता क सेहो सोचब अछि जे ओ एहन पेशकश करथि, बेशक पार्टी एकरा खारिज करि देत या हुनका फेर स अध्यक्ष चुनि लेल जाइत, मुदा लालू एकरा लेल तैयार नहि छथि, ओ एकरा नजरअंदाज करैत रहलाह, मुदा हुनकर मुश्किल कम भेलाह बदला मे बढल जा रहल अछि।
कहबा लेल इ पार्टी मे आम राय अछि, मुदा कियो बजैत नहि छल। अखलाखक मुंह खुजलाक बाद लालू पार्टी क भीतरक एहि चुप्पी कए दबेबाक स्थिति मे नहि छथि आ बीचक रास्ता निकालबाक प्रयास तेज करि देलाह अछि। लालू चाहैत छथि जे ओ अध्यक्ष बनल रहैथि आ ककरो कार्यकारी अध्यक्ष बना एहि मामला कए शांत करि देल जाए। एहन मे रघुवंश बाबू कए इ पद देबा सहमति बनि चुकल अछि। दोसर दिस कांग्रेस सेहो रघुवंश बाबू कए मन टटोलि चुकल अछि आ ओकरा निराशा हाथ लागल। एहन मे बुराडी सम्मेलन मे कांग्रेस एकला चलो क नीति पर फेर स विचार करबाक संकेत देलक अछि। कांग्रेस बिहार मे नेता विहीन अछि आ ओकर बुझबा मे आबि चुकल अछि जे ओकर गठबंधन सेहो नीतीश स नहि भ सकैत अछि। एहन मे ओकरा लेल राजद एकलौता विकल्प अछि। लालू क बजाए रघुवंश बाबू कए राजद क प्रतिनिधि बनेला स कांग्रेस कए गठबंधन पर गप आगू बढेबा मे सुविधा होएत। एहन मे राजद गठबंधन करबाक सन किछु अधिकार अपन कार्यकारी अध्यक्ष या कोर ग्रुप कए द सकैत अछि। कुल मिलाकए कहल जा सकैत अछि जे अगिला किछु दिन मे राजद मे भारी बदलाव देखबा मे भेट सकैत अछि। ओना एकर पुष्टि करबा लेल कोनो नेता तैयार नहि भेलाह अछि।




**पार्टी मे विश्वासक कोनो कमी नहि अछि। पार्टी क प्रदर्शन ओतबा खराब नहि रहल, जेतबा सीट देख बुझा रहल अछि। हमरा सब कए जनताक खूब समर्थन भेटल अछि। राजद स महज किछु फीसदी बेसी वोट राजग कए भेटल, हां इ जरूर चिंताक विषय अछि जे एतबा कम समर्थन क बावजूद सीट मे एतबा अंतर कोना भ गेल।**

## हम करि त जातिवाद, आन करए त सोशल इंजीनियरिंग : लालू

**पटना ।** राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद इ स्वीकार केलथि जे ओ अपन गप जनता तक पहुंचबा मे विफल रहलाह। पार्टीक हार पर बजाउल गेल बैठक मे करीब एक घंटाक अपन भाषण मे ओ कहला जे एनडीए शासन मे सामाजिक न्याय क धारा कए शून्य करबा लेल विकास क टोपी पहनाउल जा रहल अछि। ओ कहला– हमरा पर जातीयता कए बढ़ावा देबाक आरोप लगाउल जाइत अछि, जखनकि एहन काज कोनो दोसर नेता करैत अछि त ओकरा सोशल इंजीनियरिंग कहल जाइत अछि। हम छह मास तक किछु नहि बाजब, बल्कि सरकार कए जनता स कैल वायदा कए पूरा करबाक क मौका देब। ओ कहला जे पार्टी मे असंतोष अछि, हम एक–एक कार्यकर्ताक गप सुनबा लेल तैयार छी।
एहि स पूर्व विधानसभा चुनाव मे भेटल ऐतिहासित हार पर विचार करबा लेल राजद नेता सब दू दिन तक गहन मंथन केलथि, ओना एहि समुद्र मंथन स अमृत कम आ जहर बेसी निकलल। लालू कए नीतिश अर्थात महादेव बनबा लेल कहल गेल, अनुरोध कैल गेल जे ओ मंथन स निकलल जहर कए ग्रहण करि आ नैतिक आधार पर पद त्याग दी। लालू चुपचाप सुनैत रहलाह। मुदा पार्टीक आन नेता मुखर भ बजलाह लालू कए नीतिश बनबाक जरूरत नहि। पार्टी उपाध्यक्ष रघुवंश प्रसाद सिंह कहला जे पार्टी मे विश्वासक कोनो कमी नहि अछि। पार्टी क प्रदर्शन ओतबा खराब नहि रहल, जेतबा सीट देख बुझा रहल अछि। हमरा सब कए जनताक खूब समर्थन भेटल अछि। राजद स महज किछु फीसदी बेसी वोट राजग कए भेटल, हां इ जरूर चिंताक विषय अछि जे एतबा कम समर्थन क बावजूद सीट मे एतबा अंतर कोना भ गेल। रघुवंश बाबू एक बेर फेर बिहार मे राजग स मुकाबला करबा लेल कांग्रस सन पार्टी स गठबंधनक वकालत कैलथि। ओ कहला जे सब गोटे कए एक मंच पर आबि राज्य मे बढैत सांप्रदायिक ताकत स मुकाबला करबाक चाही। प्रतिपक्ष क नेता अब्दुलबारी सिद्दीकी, पूर्व केन्द्रीय मंत्री रघुनाथ झा, शकील अहमद खां, गुलाम गौस, उदय मांझी, वीणा शाही, शकुनी चौधरी सहित कई गोटे हार क कारण पर प्रकाश देलथि।

## सबस पैघ दावा : अपराध शून्य पटना

**पटना।** पहिल बेर जखन ककरो कान तक इ समाद जाइत त निश्चित रूप स अपन कान सुनल गप पर विश्वास नहि होएत, मुदा पटना पुलिस क मानल जाए त पिछला 24 घंटा मे एहि शहर मे कोनो अपराध नहि भेल। कोनो थाना मे कियो कोनो प्रकारक प्राथमिकी दर्ज नहि करेलक अछि। एफआइआर लिखबा लेल रजिस्टर दराज स बाहर नहि निकलल अछि। पटना क संदर्भ मे इ समाद कोनो सपना स कम नहि अछि। राजधानी क पुलिस क आंकड़ा पर भरोसा करि त अपराध शून्य रहल जखन कि एहि दौरान उपलब्धि क दौर चलैत रहल। दूटा देसी पिस्तौल आ कारतूस क अलावा टाप टेन कए दूटा अपराधी समेत सात गोटे कए गिरफ्तार कैल गेल। जिला मे विभिन्न मामला मे जतए 291 गोटे कए गिरफ्तार कैल गेल, ओतहि 151 वारंट आ 17 कुर्की–जब्ती मामला क निष्पादन कैल गेल। एसएसपी कार्यालय क मुताबिक जक्कनपुर थाना पुलिस अमरजीत पासवान आ मलमू चौधरी कए गिरफ्तार केलक अछि। इ दूनू गोटे टाप टेन अपराधी क सूची मे शामिल छल। जक्कनपुर मे दू दिन पूर्व चोरी भेल मोटरसाइकिल लावारिस हालत मे बरामद भ गेल। आलमगंज थाना क्षेत्र मे वृजकिशोर गुप्ता कए आ दुल्हिनबाजार थाना पुलिस द्वारा रमेश प्रसाद कए देसी पिस्तौल आ कारतूस क संग गिरफ्तार केल गेल। कादिरगंज थाना पुलिस सेहो रीतलाल कए गांजा क संग गिरफ्तार करि जेल पठा देलक। फुलवारीशरीफ थाना पुलिस चोरी क टेम्पो कए बरामद करैत जितेन्द्र राम कए गिरफ्तार केलक। एहि प्रकार स पता नहि केतबा साल क बाद पटना अपराध शून्य हेबाक रिकार्ड दर्ज केलक अछि।





## पटना पुस्तक मेला संपन्न, 20 लाख पाठक संग बनेलक नव रिकार्ड



**गांधी मैदान मे बारह दिवसीय पटना पुस्तक मेला क समापन भ गेल। एहघि बेर आयोजक समापन समारोह क औपचारिकता पूरा नहघि केलथघि। हालांकि अंतिम दिन सेहो मेला मे पुस्तक प्रेमी खूब खरीदारी केलथि। पटना पुस्तक मेला आयोजन समिति क संयोजक अमित झा दावा केलथि अछि जे एहि बेर मेला मे करीब 12 लाख लोग आएल।**

## हेलीकॉप्टर स लैस होएत बिहार पुलिस

**पटना ।** बिहार पुलिस पवनहंस कंपनी स उड़नखटोला किराया पर लेबाक तैयारी मे अछि। पुलिस मुख्यालय एहि दिशा मे काज शुरू करि देलक अछि। फिलहाल एकरा अंतिम रूप नहि देल जा सकल अछि, मुदा काज जारी अछि। पुलिस अपन जरूरत क मुताबिक कम स कम दस जवान कए लकए उड़ान जोकर हेलीकॉप्टर चाहैत अछि ताकि विपरीत परिस्थिति मे जवान कए कतहू पहुंचाउल या आनल जा सके।
पुलिस आधुनिकीकरण प्रोजेक्ट क तहत बिहार कए किराया पर हेलीकॉप्टर लेबाक प्रस्ताव केन्द्र देने अछि। फिलहाल भारत मे एक मात्र कंपनी पवनहंस लिमिटेड अछि जे पुलिस कए हेलीकॉप्टर उपलब्ध करा सकैत अछि। बिहार पुलिस क आला अधिकारी एहि दिशा मे काज कए रहल छथि। राज्य पुलिस मुख्यालय क मुताबिक बिहार कए केंद्र स 13.5 करोड़ टका हेलीकॉप्टर मद मे भेटत।

## विकास क 27टा एजेंडा पर कैबिनेटक मुहर

समदिया

**पटना।** बिहार सरकार एहि लेल तैयार भ गेल जे आब अपन उपयोग क लेल अगर अहां बिजली क उत्पादन करब त ओहि लेल अहां कए विद्युत शुल्क नहि लागत। इ बिजली जेनरेटर या कैप्टिव पावर प्लांट दूनू मे स कोनो स्रोत स उत्पादित भ सकैत अछि। नीतीश कैबिनेट क बैठक मे एहि आशय क प्रस्ताव कए मंजूरी द देल गेल।
दू घंटा स बेसी चलल बैठक मे कुल 27टा एजेंडा पर मुहर लागल। जाहि मे लगभग 500 किलोमीटर स्टेट हाईवेज क निर्माण क लेल एशियन डेवलपमेंट बैंक स कर्ज लेबा क मंजूरी शामिल अछि। आब बैंक क संग राज्य सरकार एकरारनामा पर हस्ताक्षर करत, जेकर बाद ऋण क औपचारिकता पूरा भ सकत। कैबिनेट मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना क लेल चालू वित्तीय वर्ष मे सहायक अनुदान क तौर पर दस करोड़ टका क स्वीकृति देलक अछि। कैबिनेट एकटा आओर महत्वपूर्ण निर्णय क तहत बिहार राज्य विद्युत बोर्ड आओर आइएलएफएस क बीच 14 दिसंबर, 2007 कए भेल एमओए क घटनोत्तर स्वीकृति दैत दू सालक अवधि विस्तार पर सेहो मुहर लगा देलक।
समझौता क तहत विद्युत बोर्ड आओर आइएलएफएस क संयुक्त उपक्रम क तौर पर बिहार पावर इन्फ्रास्ट्रक्चर कम्पनी प्रा. लि फिलहाल कम्पिटिटिव बिडिंग क आधार पर बक्सर, लखीसराय आ पीरपैंती मे विद्युत उत्पादन क परियोजना क विकास क लेल स्थल चयन, आधारभूत संरचना क विकास आ अन्य उद्देश्य कए पूरा करैत अछि। एकआ अन्य महत्वपूर्ण फैसला मे राष्ट्रीय गंगा नदी बेसिन प्राधिकरण क अंतर्गत मुंगेर शहर क सीवरेज प्लांट क निर्माण पर 187.89 करोड़ टका क प्रशासनिक स्वीकृति देल गेल।



# विकास क बयार स थम्हल पलायन क रफ्तार

सरिता सुमन

**पटना।** एहि सीजन मे बिहारी मजदूर क रुझान पंजाब क दिस बहुत कम अछि। देखल जाए त इ लगातार तेसर साल छी जखन बिहार मे पलायन क रफ्तार नीचा दिस देखा रहल अछि। बिहार मे नीतीश कुमार क नेतृत्व मे बनल दोसर सरकार स मजदूर मे काज भेटबाक भरोस पुख्ता भेल अछि, जाहि कारण स गाम आयल मजदूर स्थानीय स्तर पर ठेकेदार क संपर्क मे अछि। पिछला पांच साल मे मजदूरक लौटबाक संख्या लगातार कम भ रहल अछि। एकर सबस पैघ कारण सार्वजनिक निवेश मे गुणात्मक बढोतरी रहल। वित्तीय वर्ष 2004–05 मे राज्य क योजना व्यय जतए 3196 करोड़ टका छल, ओतहि वित्तीय वर्ष 2010–11 अबैत–अबैत बढ़िकए 20 हजार करोड़ जा पहुंचल, जे अगिला साल 24 क लग पास मे रहत। जाहिर तौर पर योजना व्यय मे एहि गुणात्मक बढ़ोतरी स राज्य मे अनगिनत विकास क छोट–पैघ योजना कार्यान्वित भेल आओर लाख क संख्या मे श्रम क सृजन भेल। सड़क, पुल–पुलिया, स्कूल–अस्पताल–कार्यालय भवन आदि मे हजार करोड़ स बेसी निवेश भेल। एखन धरि पांच साल मे 10 हजार किलोमीटर स बेसी सड़क क निर्माण भ चुकल अछि। जखनकि लगभग दू हजार नव पुल–पुलिया बनाएल जा चुकल अछि या निर्माणाधीन अछि। एहि तरह स सरकारी स्कूल मे एक लाख क्लासरूम बनाउल गेल आओर 25 हजार निर्माणाधीन अछि।



एहि सबस ऊपर महात्मा गांधी ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना यानि मनरेगा क तहत ग्रामीण श्रम क सृजन मजदूर क पलायन कए बहुत हद तक कम केलक अछि। एहि योजना क तहत राज्य मे एखन धरि 41.27 लाख परिवार कए रोजगार मुहैया कराउल गेल अछि। ओतहि 11.36 करोड़ मानव दिवस श्रम सृजित भेल अछि। एहि योजना मे एखनधरि 1816.88 करोड़ टका राशि स 1 लाख 58 हजार 740 कार्य कैल गेल अछि।
राज्य क ग्रामीण विकास मंत्री नीतिश मिश्र क मुताबिक ई शक्ति योजना क द्वारा मनरेगा कए बेसी पारदर्शी बनाकए बेसी उपयोगी बनेबाक कोशिश कैल जा रहल अछि। नीतिश मिश्र कहब अछि जे राज्य मे पलायन मे आबि रहल कमी क पैघ वजह सार्वजनिक क्षेत्र क निवेश आ मनरेगा क जरिए ग्रामीण रोजगार क सृजन अछि। दोसर दिस स्वयंसेवी संगठन निदान क सचिव अरविन्द सिंह क कहब अछि जे बिहार स रोजगार क तलाश मे बाहर पलायन करि गेल लोक मे अपन राज्य लौटबाक मानसिकता पिछला पांच साल मे बनल अछि आ एहिमे स किछु–किछु करि कए साल दर साल घर वापसी सेहो भ रहल अछि। रेलवे मे एएसएम संजीव सिन्हाक कहब अछि जे मधुबनी एबा लेल होली तक गाडी मे भारी भीड अछि, मुदा कटनीक बाद पंजाब जेबा लेल मजदूरक संख्या मे अप्रत्याशित कमी देखल जा रहल अछि। सिन्हा कहला जे मजदूरक पलायन मुंबई आ दिल्ली लेल सेहो कम भेल अछि, मुदा कोलकाताक मजदूर लौट रहल अछि। हुनक अनुसार पिछला सालक मुकाबला मे एहि साल मधुबनी जिला स लगभग 20 हजार मजदूर लौट कए बाहर नहि जा रहल अछि, जखन कि 10 हजार लंबी दूरीक गाडी पकडि रहल अछि।



# पर्यटक क बाट तकैत माटी

समदिया

*दरभंगा मे पर्यटन क अपार संभावना छै। हालांकि एखन जिला मे एहि दृष्टि स केवल दूटा स्थल क विकास क दिशा मे काज भ रहल अछि, शेष स्थल एकर बाट जोह रहल अछि। अहल्यास्थान आ कुशेश्वरस्थान शिव मंदिर क विकास त पर्यटन क मद्देनजर भ रहल अछि, मुदा कुशेश्वरस्थान क पक्षी विहार सहित अनेक स्थल क विकास पर्यटन क दृष्टि स कैल जा सकैत अछि।*



**दरभंगा।** अपन सांस्कृतिक विशेषता क लेल ख्यात आधुनिक मिथिला क राजधानी दरभंगा मे पर्यटन क अपार संभावना छै। हालांकि एखन जिला मे एहि दृष्टि स केवल दूटा स्थल क विकास क दिशा मे काज भ रहल अछि, शेष स्थल एकर बाट जोह रहल अछि। रामायणकालीन आख्यान स संबंधित पौराणिक स्थल अहल्यास्थान आ मिथिला क बाबाधाम कहल जाइवाला कुशेश्वरस्थान शिव मंदिर क विकास त पर्यटन क मद्देनजर भ रहल अछि, मुदा देश–विदेश मे चर्चित राज परिसर स्थित महाराज रमेश्वर सिंह क चिता पर प्रतिष्ठित मां श्यामा काली मंदिर परिसर, कुशेश्वरस्थान क पक्षी विहार, दरभंगा राज परिसर आ धरोहर घोषित भ चुकल राज किला, मनीगाछी क वाणेश्वरी स्थान, महाराज देवसिंह स संबंधित देकुली सहित अनेक स्थल क विकास पर्यटन क दृष्टि स कैल जा सकैत अछि। एहि तरह जिला मुख्यालय मे अवस्थित विशाल तीन टा पोखर कए जोड़िकए ओकर सौंदर्यीकरण कैल जा सकैत अछि। जिला मे डीह शब्द युक्त स्थल क उत्खनन स पुरातात्विक पर्यटन स्थल क विकास संभव अछि। ओतहि पांडुलिपि क खान मिथिला शोध संस्थान आओर कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय क प्रधान पुस्तकालय क अलावा दरभंगा राज अभिलेखागार कए बौद्धिक पर्यटन केंद्र क रूप मे विकसित कैल जा सकैत अछि। ओना किशोर कुनाल क कार्यकालक दौरान किछु बहुमूल्य पांडुलिपि क चोरी भ चुकल अछि। तकर उपरांतो व्यावहारिक रूप स बौद्धिक पर्यटन केंद्र क रूप मे देश–विदेश मे इ शैक्षिक संस्थान मान्य अछि, जतए विभिन्न देश स लोक अक्सर अबैत रहैत छथि।

# दर्शनीय स्थल स किया नजरि फेरने छी सरकार

*वर्तमान ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्र झंझारपुर स विधायक छथि आ हुनका स उम्मीद अछि जे ओ एहि दिशा मे पहल करताह आ परसा सूर्य मंदिर, कमलादित्य स्थान, हरेश्वर नाथ शिवालय, नवनगर शिवालय आदि क संरक्षण आ संबर्ध्दन करि पर्यटक स्थल क रूप मे विकसित करबा लेल कला आ संस्कृति विभाग कए एहि स्थल प्रतिवेदन देताह। कुल मिलाकए कहल जा सकैत अछि जे अगर मधुबनी क एहि स्थल क सरकार संरक्षण आ संवर्ध्दन करि पर्यटक स्थल क रूप मे विकसित करि दिए त देसी–विदेशी पर्यटक कए आकर्षित करबा मे सफलता भेट सकैत अछि आओर एहि स काफी राजस्व सेहो भेट सकैत अछि, संगहि लोक कए रोजगार सेहो।*

**मधुबनी।** मधुबनी मे मंदिर, प्राचीन मूर्ति आ पौराणिक अवशेष क भरमार अछि। एहिठाम शैव, शाक्त, वैष्णव आ बौद्ध मतालंबी स संबंधित स्थल क तादाद कम नहि अछि। पाल, सेन आ कर्नाट वंशीय शासक द्वारा निर्मित मंदिर आ ओहि मे स्थापित देव विग्रह अतुलनीय अछि। जिलाक कईटा गढ़ क पुरावशेष आइ सेहो विद्यमान अछि। मुदा एखनधरि ओकरा संरक्षित करि पर्यटक स्थल क रूप मे विकसित नहि कैल जेबा स पर्यटन क अपार संभावना कए बल नहि भेट सकल अछि। अगर जिला क किछु महत्वपूर्ण स्थल क विकास पर्यटक स्थल क रूप मे करि देल जाए त ढेर विदेशी मुद्रा क आय क संग एहि क्षेत्र मे रोजगार क बेहतर साधन उपलब्ध भ सकैत अछि।
बाबूबरही प्रखंड क प्रसिद्ध पुरातात्विक स्थल बलिराजगढ़ क कायाकल्प की नव गठित सरकार करत? मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपन विधायक आ मंत्री कए विकास क लेल रोड मैप तैयार करबा लेल कहलथि अछि, कि एहि इलाकाक विधायक एहि दिस काज करताह। दू सौ पच्चीस एकड़ भू–भाग मे पसरल एहि स्थल क तीन बेर अल्प खुदाई भ चुकल अछि। ओहि खुदाई मे ईसा पूर्व दोसर–तेसर सदी, मौर्य आ शुंगवंश क पूर्व मे अवशेष प्राप्त भेल। एकर इर्द–गिर्द बौद्धकाल क अवशेष सेहो भेटल। लालू सरकार खुदाई कए बीच मे बंद करि देलक। विभाग मानलक अछि जे उक्त खनन स प्राप्त अवेशष स सामाजिक आ सांस्कृतिक अनुक्रम स्थापित भ चुकल अछि। वर्ष 1993 मे एहि स्थल कए पर्यटक केन्द्र क रूप मे घोषित कैल गेल। मुदा पर्यटक केन्द्र क रूप मे विकास लेस मात्र नहि भेल अछि। एतबा महत्वपूर्ण स्थल पुरातत्ववेता, इतिहासकार आ राजनेता क उपेक्षा क कारण दुनिया क नजरि स ओझल अछि।
एहिना जिला मुख्यालय स्थित भौआड़ा गढ़ शुभंकर ठाकुर क राजस्व काल (1581–95) मे निर्मित भेल। ओकर बाद महाराजाधिराज रमेश्वर सिंह (1898–1929) क शासनकाल मे अनेक मंदिर क निर्माण भेल। जाहि मे भौआड़ा गढ़ स्थित भव्य काली मंदिर शामिल अछि। इतिहासविज्ञ डॉ. नरेन्द्र नारायण सिंह निराला एकरा मिथिला क सबस ऊंच मंदिर कहैत छथि। इ काली मंदिर दर्शनीय आ रमणीय एतबा अछि जे पर्यटक स्थल क रूप मे विकसित करब बहुत आसान अछि। नगर क गंगासागर तालाब क पश्चिम भिण्डा पर स्थापित काली मंदिर सेहो दर्शनीय अछि। जिला क बेनीपट्टी अनुमंडल मुख्यालय स पांच किमी पश्चिम प्रसिद्ध सिद्धपीठ उच्चौठ दुर्गा स्थल जे महाकवि कालीदास स संबंद्ध अछि कए घोषणा क बावजूद पर्यटक स्थल क रूप मे विकसित नहि कैल जा सकल अछि। जखकि एकरा लेल समविकास योजना स राशि उपलब्ध करा देल गेल अछि। मधुबनी मुख्यालय स आठ किमी उत्तर अति प्राचीन राज–राजेश्वरी स्थान जतए शिव–पार्वती क प्राचीन युग्म प्रतिमा स्थापित छै कए पर्यटक स्थल क रूप मे विकसित कैल जा सकैत अछि। ओतहि पंडौल प्रखंड स पांच किमी पूरब महाकवि विद्यापति स संबंधित उगनेश्वर शिवालय, सौराठ सभागाछी आ ओतहि माधवेश्वर नाथ आ सोमनाथ शिवालय, हरलाखी प्रखंड स्थित माता जानकी स संबंद्ध गिरिजा स्थान, विशौल स्थित विश्वामित्र आश्रम, कल्याणेश्वर शिवालय, रहिका प्रखंड मुख्यालय स चारि किमी दक्षिण कपिलमुनि द्वारा प्रसिद्ध कपिलेश्वर स्थान, रहिका स्थित उर्वशी नाथ, रहिकेश्वरी भगवती, तंत्र विद्या क लेल प्रसिद्ध रहल मुख्यालय स सटल मंगरौनी गाम स्थित बूढ़ी माई आ एकादश रुद्र मंदिर, कोइलख क भद्रकाली भगवती, नाहर भगवती पुर स्थित सूर्य, विष्णु आ दुर्गा सहित अन्य प्रतिमा, सूर्य मूर्ति (बरुआर, परसा, रखवारी, अंधराठाढी, भीठ भगवानपुर आ अकौर) विष्णु मूर्ति (अकौर, भीठ भगवानुपर, कमलादित्य स्थान) कार्तिकेय (बसुआरा), भैरव (बलिया), अयाची मिश्र द्वारा सरिसवपाही स्थित सिद्धेश्वरी भगवती, महाकवि विद्यापति डीह बिस्फी आ हुनकर द्वारा स्थापित भगवती विश्वेश्वरी, याज्ञवल्क्य आश्रम, उत्तरा स्थित दक्षेश्वर शिव, गांडीवेश्वर शिवधाम (शिवनगर), भोज पंडौल क देव प्रतिमा, बराह मंदिर सलेमपुर, जयनगर स्थित शिलानाथ, पंचानन महादेव (अरघावा आ ब्रह्मापुर), विदेश्वर शिवालय लोहना, मदनेश्वर शिवालय, जागेश्वर शिवालय, पारसमणी शिवालय रहुआ संग्राम, शेषशायी विष्णु बलिया, कपिलेश्वर काली, शिव आ ब्रह्मा, मैवी शांति नाथ, पंचानाथ शिवालय झंझारपुर, अंकुशी शिव लखनौर, लक्ष्मीनाथ गोसाई कुटी (लखनौर), तीन काल कए समेटने बलिराजगढ़, अंधराठाढ़ी क पस्टन स्थित बौद्ध बिहार क खंडहर एहन प्राचीन स्थल छै जेकरा पर्यटन स्थल क रूप मे विकास करि पर्यटन क नक्शा पर आनब आब जरूरी अछि। अंधराठाढ़ी क नवनगर गाम मे एकटा प्राचीन शिवालय जमींदोज हेबाक कगार पर अछि। एहन मे मधेपुर प्रखंड क कोसी क गर्भ मे द्वालख गाम मे प्राचीन हरेश्वर नाथ शिवालय सेहो ध्वस्त हेबाक कगार पर अछि। मुदा एकरा देखनिहार कियो नहि अछि। वर्तमान ग्रामीण विकास मंत्री नीतीश मिश्र झंझारपुर स विधायक छथि आ हुनका स उम्मीद अछि जे ओ एहि दिशा मे पहल करताह आ परसा सूर्य मंदिर, कमलादित्य स्थान, हरेश्वर नाथ शिवालय, नवनगर शिवालय आदि क संरक्षण आ संबर्ध्दन करि पर्यटक स्थल क रूप मे विकसित करबा लेल कला आ संस्कृति विभाग कए एहि स्थल प्रतिवेदन देताह। कुल मिलाकए कहल जा सकैत अछि जे अगर मधुबनी क एहि स्थल क सरकार संरक्षण आ संवर्ध्दन करि पर्यटक स्थल क रूप मे विकसित करि दिए त देसी–विदेशी पर्यटक कए आकर्षित करबा मे सफलता भेट सकैत अछि आओर एहि स काफी राजस्व सेहो भेट सकैत अछि, संगहि लोक कए रोजगार सेहो।

अंक- 59, साल-3, इसमाद प्रकाशन क लेल esamaad.com स इंटरनेट संस्करण प्रकाशित। प्रबंधक : छवि झा, संपादक : कुमुद सिंह*, समाचार संपादक : पुतुल सिंह। ( *खबरक चयन लेल जिम्मेदार)। फोन : 011-22484593, 09250281098, ई-मेल : esamaad@gmail.com